प्रति उत्तरदायी होते हैं। उन्हें समय समय पर अपने संबंधित विभाग की वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रीय सभा को प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है। सरकारी गतिविधियों के सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए करीब साठ मंत्रालय है।

अध्यक्षता ***(The Presidency)***

जैसाकि पहले भी उल्लेख किया गया है, सरकार के कार्यपालिका, राष्ट्रपति दक्षिण अफ्रीका की सरकारी व्यवस्था में शीर्ष पर है।दक्षिण अफ्रीका की आधिकारिक वार्षिक पुस्तक के अनुसार, प्रेसीडेंसी (अध्यक्षता) में निम्नलिखित राजनीतिक प्रधान शामिल हैं :

1) राष्ट्रपति, जो राष्ट्राध्यक्ष है;

2) उप–राष्ट्रपति, जो सरकारी कार्यों का (संसद में) नेता होता है;

3) प्रेसीडेंसी के मंत्री;

4) महिलाओं, युवा व दिव्यांग के प्रेसीडेंसी में मंत्री;

5) प्रेसीडेंसी में उप–मंत्री

प्रेसीडेंसी में तीन संरचनाऐं है, जो सीधे शासन संचालन करती हैं। ये है :

i) कैबिनेट कार्यालय, जो कैबिनेट को प्रशासनिक सहायता प्रदान करता है। यह कैबिनेट और उसकी समितियों के समग्र काम को सुनिश्चित करने के लिए

प्रशासनिक प्रणाली और प्रक्रियाओं को लागू करता है। यह कैबिनेट और उसकी समितियों के निर्णय लेने की प्रक्रिया के प्रबंधन की सुविधा भी प्रदान करता है।

ii) नीति समन्वय सलाहकार सेवाओं में एक उपमहानिदेशक और पांच मुख्य निदेशालय शामिल है, जो महानिदेशकों के संबंधित समूहों द्वारा विकसित नीति प्रक्रियाओं का समर्थन करते हैं।

iii) कानूनी और कार्यपालिका सेवाएं राष्ट्रपति, उप–राष्ट्रपति, मंत्री और साथ ही पूरे राष्ट्रपति पद को कानूनी सलाह प्रदान करती है, और राजनीतिक सिद्धांतों से जुड़े सभी मुकदमों के लिए उत्तरदायी है।

प्रांतीय स्तर पर प्रत्येक प्रांत में एक कार्यपालिका परिषद् होती है, जिसका अध्ययन एक प्रधान होता है। प्रधान का चुनाव प्रांतीय विधान सभा के सदस्यों द्वारा संघ स्तर पर किया जाता है। प्रधान विधान सभा के सदस्यों में से कार्यकारी परिषद् के सदस्यों की नियुक्ति करता है। कार्यपालिका परिषद् प्रांतीय स्तर पर कार्यपालिका संबंधी कार्यों को देखने के लिए जिम्मेदार निकाय है। हालांकि, आमतौर पर वह बताया जाता है कि संघ और प्रांतीय निकायों के बीच समन्वय का एक खराब या अपरिभाषित तंत्र है। केन्द्रीय मंत्रीयों और कार्यपालिका परिषद् के सदस्यों के बीच बैठके आमतौर पर कम और अनौपचारिक होती है।

उपरोक्त चर्चा से यह ज्ञात होता है कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति राज्य के प्रमुख और सरकार के प्रमुख हैं, कैबिनेट और पूरे कार्यपालिका तंत्र का नेतृत्व करते हैं। उनसे देश के संविधान और कानूनों के अनुसार राष्ट्र की अखंडता, प्रगति और एकता बनाए रखने के लिए देश का नेतृत्व करने की आशा की जाती है।

बोध प्रश्न 2

टिप्पणी : (i) अपने उत्तर के लिए नीचे दिए गए स्थान का प्रयोग कीजिए।

(ii) इकाई के अंत में दिए गए उत्तरों से अपने उत्तर मिलाइए।

1) भारत में कार्यपालिका व्यवस्था की चर्चा कीजिए।

....

....

....

....

....

2) चीन की कार्यपालिका का बुनियादी ढांचा क्या है?

....

....

....

....

....

3) दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति का क्या स्थान है?

....

....

....

....

....

3.7 निष्कर्ष

इस इकाई में, हमने ब्रिक्स देशों में सरकार के कार्यपालिका अंग की जाँच की है। प्रत्येक कार्यपालिका मूल रूप से सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार होता है। वास्तव में, जहाँ तक कार्यपालिका के कार्यों और शक्तियों का संबंध है, वहाँ बहुत अधिक भिन्नताएं नहीं होती है। हालांकि, हम प्रत्येक देश द्वारा अपनाई जाने वाली सरकार की प्रणाली के आधार पर उनकी व्यवस्था में कुछ बदलाव समझ सकते हैं। भारत जैसी संसदीय प्रणाली में राष्ट्रपति राज्य का नाममात्र का प्रमुख (नाममात्र का कार्यपालिका प्रमुख) होता है और प्रधानमंत्री (मंत्रिपरिषद) सरकार का वास्तविक प्रमुख (वास्तविक कार्यपालिका प्रमुख) होता है, जबकि रूस की प्रणाली में

राष्ट्रपति शक्तिशाली व प्रधानमंत्री कम शक्तिशाली होता है। इस प्रणाली को अर्द्ध राष्ट्रपति व्यवस्था (Semi – Presidential System) के रूप में माना जाता है। ब्राजील में राष्ट्रपति प्रणाली है और चीन की व्यवस्था एक मजबूत राष्ट्रपति की आधिकारिक बहुमत सत्ता पर आधारित है। राष्ट्रपति सभी व्यापक शक्तियों के साथ पार्टी और देश का प्रमुख होता है। दक्षिण अफ्रीका संसदीय गणतंत्र में, राष्ट्रपति देश के साथ ही साथ सरकार का प्रमुख होता है।

3.8 शब्दावली

नीति आयोग : यह 1 जनवरी को गठित राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की संदर्भित करता है। यह राज्यों की राष्ट्रीय हित में एक साथ कार्य करने के लिये सरकार के सर्वोत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करता है, और इस तरह कार्य करता है, और इस तरह सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है। यह सरकार का प्रमुख नीतिगत पिंक टैंक है, जो दिशात्मक और नीतिगत इनपुट प्रदान करता है। कार्यनीतिक और दीर्घकालिक नीतियों और कार्यक्रमों को स्वरचित करने के अतिरिक्त, आयोग केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को प्रासंगिक तकनीकी सलाह प्रदान करता है। नीति आयोग के सासकीय परिषद को अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है।

3.9 संदर्भ लेख

Basu, D.D. (2019). *Introduction to the Constitution of India* (24th ed.). New Delhi, India: Lexis Nexis.

Brazil Government. Retrieved from www.brazil.gov.br.government

Congressional–Executive Commission on China. Retrieved from https://www.cecc.gov/

Country Studies. Retrieved from www.countrystudies.us

Encyclopedia Britannica. Retrieved from https://www.britannica.com/

IndexMundi. Retrieved from www.indexmundi.com

Parliamentary Monitoring Group. Retrieved from https://pmg.org.za/

Russiapedia. Retrieved from https://russiapedia.rt.com/

Singh, S. & Singh, S. (2017). *Indian Administration*. Jalandhar, India: New Academic Publishing Co.

South African Government. Retrieved from https://www.gov.za/

The State Duma. Retrieved from http://duma.gov.ru/en/

3.10 बोध प्रश्नों के उत्तर

बोध प्रश्न 1

1) आपके उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- ब्राजील के राष्ट्रपति, राष्ट्राध्यक्ष एवं शासनाध्यक्ष होने के कारण कार्यपालिका संबंधी कार्यों पर नियंत्रण रखते है, विधान सभा पर नियंत्रण रखते है, उनके पास आपातकालीन शक्तियों एवं विदेशी संबंधों की शक्तियाँ हैं।

2) आपके उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- रूस का राष्ट्रपति रूस की सरकार का केन्द्र है तथा अनेक महत्वपूर्ण शक्तियों जैसे सैन्य शक्ति, विदेशी संबंध एवं कार्यपालिका पर नियंत्रण का उपयोग करता है।

बोध प्रश्न 2

1) आपके उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- भारत में संसदात्मक शासन व्यवस्था है, जो ब्रिटिश व्यवस्था पर आधारित है, इसमें नाममात्र का प्रमुख राष्ट्रपति एवं वास्तविक प्रमुख – प्रधानमंत्री है, जोकि मंत्रिपरिषद् का भी प्रमुख होता है।

2) आपके उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- चीन की कार्यपालिका व्यवस्था का नेतृत्व राष्ट्रपति व राज्य परिषद् करती है। राज्य परिषद् प्रधानमंत्री, कुछ पार्षद, मंत्री व महालेखा परीक्षण होते हैं।

3) आपके उत्तर में निम्नलिखित शामिल होना चाहिए :

- दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष व शासनाव्यक्ष दोनों ही होते हैं। इसलिए वह कार्यपालिका अध्यक्ष भी होते है।